बरेली, गुरुवार
3 नवंबर, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE NO 5 : TOP LEFT

रंग महोत्सव : स्टेडियम रोड स्थित रिद्धिमा में इंद्रधनुष रंग महोत्सव शाम चार बजे।

PAGE NO 09 : MIDDLE

भक्ति में रसिक बिहारी बनीं बनीठनी

जासं, बरेली: छोटी सी बन्नो को ढाई सौ अशर्फियों में खरीद कर किशनगढ़ के राजा राज सिंह अपनी पत्नी बंकावत की सेवा में सौंप देते हैं। विलक्षण प्रतिभा की धनी बन्नो को रानी बंकावत कला, साहित्य की शिक्षा देती हैं। बड़े होने पर उनका परिचय राजा राज सिंह के बेटे कुंवर सावंत सिंह से होता है जो उनकी प्रतिभा से प्रभावित हो कर उनसे प्रेम करने लगते हैं। दोनों ही कृष्ण भक्ति में लीन रहते हैं। पिता और पत्नी लालकुमरी का विरोध भी उनको बनीठनी के साथ रहने से नहीं रोक पाता। एसआरएमएस रिद्धिमा में बुधवार को प्रसिद्ध चित्रकार निहाल चंद के जीवन पर आधारित नाटक बनीठनी से रसिक बिहारी का मंचन हुआ।

मंचन करते कलाकार • सौ. थिएटर

राजपाट से विरक्त सावंत सिंह बनीठनी के साथ वृंदावन चले जाते हैं। यहां सावंत सिंह और बनीठनी रसिक बिहारी नाम से कृष्ण लीलाओं की भक्तिमय काव्य रचना करते हैं। नर्मदा प्रसाद की पुस्तक 'बनीठनी से चित्रकला तक' का नाट्य रूपांतरण और निर्देशन राखी व मानव ने किया। मंच पर मानव मेहरा, इंदुला दास, मानसी मेहता, निधि सक्सेना, साकेत, विशाल वर्मा, शिव, रोबिन खन्ना ने जीवंत अभिनय किया। मुख्य अतिथि साईं सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष नीता कुदेशिया, ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति आदि रहीं।